9/7/24 पत्रा० पेश हुई पत्रा० पुकार ह० 28/8/24 को पेश हो।

28/8/24 पत्रा० पेश हुई। वादी व वादी वकील कोई हाजिर नहीं आया बार-बार आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज लगाने के बाद कोई वादी व वादी वकील कोई हाजिर लिहाजा वादी का वाद अदम हाजिरी व अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रा० फैसला होकर बाद जरूरी कार्य के जाकर दाखिल दफ्तर हो।